भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

11.02.2026 के

अतारांकित प्रश्न सं. 1974 का उत्तर

आंध्र प्रदेश से किसान रेल सेवाएं

1974. श्री प्रभाकर रेड्डी वेमिरेड्डी:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या अगस्त, 2020 से जल्दी खराब होने वाली वस्तुओं के परिवहन के लिए अब तक लगभग 2,400 किसान रेल सेवाएं शुरू की गई हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या 2,400 सेवाओं में से केवल 5 सेवाएं आन्ध्र प्रदेश से संचालित की जा रही हैं और वर्ष 2021-22 के बाद कोई सेवा संचालित नहीं की गई है;

(ग) यदि हां, तो आन्ध्र प्रदेश से सेवाओं की इतनी कम संख्या के क्या कारण हैं और वर्ष 2021-22 के बाद कोई सेवा नहीं शुरू किए जाने के क्या कारण हैं;

(घ) क्या किसान रेल सेवाएं बंद हो गई हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ) यदि नहीं, तो सरकार द्वारा आंध्र प्रदेश से किसान रेल शुरू करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जा रहे हैं?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ङ): दिनांक 07 अगस्त, 2020 को किसान रेल सेवा शुरू होने के बाद से रेलवे ने 2,364 किसान रेल सेवाएं परिचालित की हैं, जिससे लगभग 7.9 लाख टन के विनश्य वस्तुओं का परिवहन किया गया और लगभग 318.68 करोड़ रुपए का राजस्व अर्जित किया गया।

आंध्र प्रदेश से, 116 सेवाएं परिचालित की गईं जिसमें केला, आम, प्याज आदि सहित 34,000 टन से अधिक विनश्य वस्तुओं के परेषण का परिवहन असम, बिहार, पश्चिम बंगाल, दिल्ली एवं त्रिपुरा की ओर किया गया।

सब्ज़ियों, फलों और अन्य विनश्य वस्तुओं की संचलन के लिए किसान रेल के संभावित मार्गों की पहचान कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय तथा राज्य सरकारों के कृषि/पशुपालन/मतस्य पालन विभागों, स्थानीय निकायों और एजेंसियों, मंडियों आदि के साथ परामर्श से की जाती है और लागू प्रशुल्क पर सेवाओं को योजनाबद्ध रूप से मांग और परिचालन व्यवहार्यता के आधार पर बनाया जाता है।

******